विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 27-04-2021

वर्ग-षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

प्रभो! देश-रक्षा-बलं मे प्रयच्छ।

नमस्तेऽस्तु देवेश! बुद्धिं च यच्छ।।

सुतास्ते वयं शूर-वीराः भवाम ।

गुरून् मातरं चापि तातं नमाम।।

हिंदी अर्थ- हे प्रभु! मुझे देश की रक्षा करने की शक्ति दो।

हे देव !मुझे उत्तम बुद्धि दो। हे परमेश्वर !आप को मेरा नमस्कार हो।

हम आपके पुत्र शूरवीर बने। हम गुरुओं को तथा माता-पिता को भी प्रणाम करें।

नमामि ईश्वरं प्रातः नमामि जनकं तथा ।

नमामि जननीं पूज्यां नमामि शिक्षकान् तथा ।।

मैं प्रातः! ईश्वर को प्रणाम करता हूँ। मैं अपने पूज्य पिताजी को तथा पूज्या माता जी को प्रणाम करता हूँ मैं अपने गुरुजनों को प्रणाम करता हूँ।